COTTON TEXTILE INDUSTRY

सूती वस्त्र उद्योग

LECTURE 1

डा. निसार अहमद

भूगोल बिभाग
राम चरित्र सिंह कॉलेज

Mobile No. : 9258408868
Email address: ahmednisaramu@gmail.com

कपास न केवल भारत की बल्कि पूरे विश्व की सबसे महत्वपूर्ण फाइबर फसल है। यह सूती कपड़ा उद्योग को मूल कच्चा माल (कपास फाइबर) प्रदान करता है। इसके बीज (बिनोला) का उपयोग वनस्पति उद्योग में किया जाता है और दुधारू पशुओं को बेहतर दूध प्राप्त करने के लिए चारे के हिस्से के रूप में भी इस्तेमाल किया जा सकता है।कपास बीज का पांचवां हिस्सा कच्चे प्रोटीन है, जो कुल विश्व प्रोटीन की आपूर्ति का 5 से 6 प्रतिशत है।कपड़ा बनाने के लिए सूती फाइबर का उपयोग प्राचीन मिस्र के लोगों को ज्ञात था, और सदियों से कपास चीन, भारत और मध्य एशिया का प्रमुख कपड़ा रहा है।लेकिन 18 वीं शताब्दी तक यूरोप में सूती कपड़ा प्रचलन में बना रहा, जब कपास की मशीनों और मशीनीकृत कताई और बुनाई प्रक्रियाओं के आविष्कार ने इसे सस्ते में बड़े पैमाने पर उत्पादन करने की अनुमति दी।

इस प्रकार, 19 वीं शताब्दी में, सूती कपड़ा उद्योग न केवल शुरू हुआ बल्कि यूरोप और दुनिया के अन्य हिस्सों में तेजी से विकसित हुआ, जिसके परिणामस्वरूप दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कपास की खेती में वृद्धि हुई।

कपास के प्रकार

गॉसिपियम परिवार के पौधों के बीजों के आसपास के बालों से कपास निकाली जाती है। पौधे के कई प्रकार हैं, जिनमें से कुछ यूरेशिया में और कुछ अमेरिका में उत्पन्न हुईं, जबकि आधुनिक किस्मों का विकास प्रजनन(breeding)और संकरण (hybridisation) द्वारा किया गया है। फाइबर की मुख्य लंबाई के आधार पर, कपास के तीन मुख्य प्रकार हैं:-

1.लंबी रेशे वाली कपास(Long Staple)

2.मध्य रेशे वाली कपास(Medium Staple)

3.छोटे रेशे वाली कपास(Short Staple)

लंबी रेशे वाली कपास:- लम्बे रेशे वाले कपास सबसे सर्वोत्तम प्रकार के होते हैं, जिसकी लम्बाई 5 सें.मी. से अधिक होती है। इससे उच्च कोटि का कपड़ा बनाया जाता है। तटीय क्षेत्रों में पैदा होने के कारण इसे 'समुद्र द्वीपीय कपास' भी कहते हैं।

मध्य रेशे वाली कपास:-मध्य रेशे वाली कपास, जिसकी लम्बाई 3.5 से 5 सें.मी. तक होती है। इसे 'मिश्रित कपास' भी कहते है।

छोटे रेशे वाली कपास:-इसके रेशे की लम्बाई 3.5 सें.मी. तक होती है।

TO BE CONTINUED…